आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
रविवार 30.03.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- मन की बात के 120वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा– बारिश की बूंदों को संरक्षित करके हम बहुत सारा पानी बर्बाद होने से बचा सकते हैं।
- वनागिनी की रोकथाम के लिए प्रदेश में Integrated Command & Control Centre स्थापित, साथ ही Forest Fire Uttarakhand Mobile App भी बनाया।
- महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने कहा –सरकार के तीन वर्ष जनता की आकांक्षाओं व अपेक्षाओं पर खरे उतरे हैं।
- चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व आज से शुरू, देवी मंदिरों में सुबह से पूजा–अर्चना के लिए उमड़ रहे श्रद्धालु।

मन की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि बारिश की बूंदों को संरक्षित करके हम बहुत सारा पानी बर्बाद होने से बचा सकते हैं। मन की बात के 120वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ सालों में इस अभियान के तहत देश के कई हिस्सों में जल संरक्षण के अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 7–8 वर्षों के दौरान नवनिर्मित टैंकों, तालाबों और अन्य जल पुनर्भरण संरचनाओं के माध्यम से 11 बिलियन क्यूबिक मीटर से अधिक पानी संरक्षित किया गया है।

वनागिनी रोकथाम

प्रदेश में बढ़ती गर्मी के साथ ही जंगलों में लगने वाली आग की घटनाये बढ़ने की संभावना को देखते हुए वन विभाग ने इससे निपटने के लिए सभी तैयारी पूरी कर ली हैं। इस संबंध में प्रमुख वन संरक्षक डॉ. धनंजय मोहन ने बताया कि विभाग ने वनागिनी की रोकथाम के लिए Integrated Command & Control Centre स्थापित किया है। इसके अलावा Forest Fire Uttarakhand Mobile App विकसित किया गया है। इस एप में 7 हज़ार से अधिक कर्मचारियों ने रजिस्ट्रेशन करा लिया है। इसके अतिरिक्त लोगों को जागरूक करने के साथ ही कई अन्य कदम उठाये गए।

अपर प्रमुख वन संरक्षक निशान्त वर्मा ने बताया कि प्रदेश के छह जिले वनागिनी के लिहाज से अतिसंवेदनशील हैं। जिनमें से तीन जिले कुमाऊ जबकि तीन गढ़वाल मंडल के हैं। इसके मद्देनजर इन जिलों में बचाव व सुरक्षा के विशेष इंतज़ाम किये गए हैं।

रेखा आर्या

प्रदेश सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने पर सेवा सुशासन की थीम पर अल्मोड़ा जिले के सोमेश्वर के सोमनाथ मैदान में प्रदेश की महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास, खेल, खाद्य आपूर्ति मंत्री रेखा आर्या की अध्यक्षता में चिकित्सा व बहुद्देशीय शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार के तीन वर्ष जनता की आकांक्षाओं व अपेक्षाओं पर खरे उतरे हैं, और विकास को समर्पित रहे हैं। श्रीमती आर्या ने कहा कि बहुद्देशीय शिविर में जनता ने अनेक शिकायतें रखी जिनका समाधान किया गया।

उन्होंने इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले लाभार्थियों को सम्मानित भी किया। उन्होंने विभाग वार अधिकारियों से वार्ता कर जनसमस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए। शिविर में जाति, स्थाई, विधवा, विकलांग प्रमाण पत्र भी बनाए गए। ग्रामीणों क्षेत्रों से आए 694 लोगों को लाभान्वित किया गया। शिविर में सम्मानित किए गए लाभार्थी सुरेश राम ने कहा कि उन्हें शिविर में सम्मानित किया गया वह सब्जी उगाकर आजीविकोपार्जन करते हैं।

चैत्र नवरात्रि

आज से देशभर में चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व शुरू हो रहा है। नौ दिनों तक चलने वाले नवरात्रि में भक्त माँ दुर्गा के नौ रूपों की विशेष पूजा–अर्चना कर व्रत रखते हैं। आज पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है। राज्यपाल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चैत्र नवरात्रि और हिन्दू नव वर्ष ''विक्रम संवत–2082'' के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा कि नवरात्रि के पावन दिनों में माँ दुर्गा के नौ रूपों की उपासना हमें शक्ति, धैर्य और उत्साह प्रदान करती है। यह दिव्य पर्व श्रद्धा, भक्ति और शक्ति की आराधना का प्रतीक है, जो जीवन में नई ऊर्जा, सुख, समृद्धि और हर्षोल्लास का संचार करता है। राज्यपाल ने माँ दुर्गा से समस्त प्रदेशवासियों के लिए नई ऊर्जा, सकारात्मकता और सफलता के साथ ही उत्तम स्वास्थ्य की कामना की है। मुख्यमंत्री ने चैत्र नवरात्रि को शक्ति की उपासना का पर्व बताते हुए कहा कि यह पर्व भारतीय संस्कृति की महान परंपरा का प्रतीक है। नवरात्रि का यह पर्व समाज में महिलाओं के महत्व और शक्ति को दर्शाता है। और अब आपको बता दें कि आकाशवाणी का यूट्यूब चैनल– आराधना नवरात्र के पावन अवसर पर विशेष कार्यक्रम प्रसारित करेगा। श्रोताओं को कल से 6 अप्रैल तक गहन आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करने के लिए आकाशवाणी तैयार है। चैनल नवरात्र के मर्म के बारे में विशेष भक्ति कार्यक्रमों की श्रृंखला दर्शकों तक पहुँचाएगा।

जनजातीय समुदाय

उत्तराखंड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद–यू–कॉस्ट के सहयोग से रूरल एनवायरनमेंट एंड एजुकेशनल सोसाइटी, रीड्स द्वारा महिला प्रौद्योगिकी केंद्र, चंपावत जिले में उत्तराखंड जनजातियों में विज्ञान उद्यमिता विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इंद्रेश लोहनी ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य जनजातीय समुदायों को विज्ञान एवं तकनीकी उद्यमिता से जोड़ना, स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर नए व्यावसायिक अवसर सृजित करना और स्वरोजगार को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता विकसित करना है। कार्यशाला में जनजातीय समुदाय की महिलाओं को सम्मानित भी किया गया।